भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *122
09.02.2026 को उत्तर के लिए

शहरों में वनाच्छादित क्षेत्र

***122. श्री बलवंत बसवंत वानखडे :**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शहरों में वनाच्छादित क्षेत्र बहुत तेजी से समाप्त हो रहा है और कुछ महानगरों में तो यह छह प्रतिशत से भी कम है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) ऐसे स्मार्ट शहरों की वर्तमान स्थिति क्या है जिनमें अधिकतम हरित क्षेत्र बनाए रखने का लक्ष्य है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री
(श्री भूपेन्द्र यादव)

(क) और (ख) : विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"शहरों में वनाच्छादित क्षेत्र" के संबंध में श्री बलवंत बसवंत वानखडे द्वारा दिनांक 09.02.2026 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *122 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का अधीनस्थ कार्यालय भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून देश में वन एवं वृक्षावरण का द्विवार्षिक आकलन करता है तथा इसके निष्कर्ष भारत वन रिपोर्ट स्थिति (आईएसएफआर) में प्रकाशित किए जाते हैं। वनावरण आकलन रिमोट सेंसिंग पर आधारित सम्पूर्ण मानचित्रण की प्रक्रिया है, जिसे गहन भू-सत्यापन तथा राष्ट्रीय वन सूची से प्राप्त क्षेत्रीय आंकड़ों द्वारा समर्थित किया जाता है।

आईएसएफआर 2023 के अनुसार, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई एवं अहमदाबाद जैसे महानगरों का कुल वन आवरण 511.81 वर्ग किलोमीटर है, जो शहरों के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 10.26% है। आईएसएफआर 2021 में दर्शाए गए पूर्व आकलन की तुलना में महानगरों के वन आवरण में 2.09 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि की सूचना प्राप्त हुई है। महानगरों के वन आवरण का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, हाल की आकलन अवधि के दौरान प्रमुख शहरी क्षेत्रों में कुल वन आवरण सामान्यतः स्थिर बना हुआ है। प्रमुख महानगरों में वन आवरण अवस्थितियों, नीतियों तथा पर्यावरणीय प्राथमिकताओं जैसे कारकों के आधार पर व्यापक रूप से भिन्न-भिन्न है। जहाँ कुछ शहरों में पर्याप्त हरित क्षेत्र और वन क्षेत्र मौजूद हैं, वहीं शहरीकरण के कारण कुछ अन्य शहरों में हरियाली अपेक्षाकृत सीमित है।

(ख) स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) का उद्देश्य क्षेत्र-आधारित विकास दृष्टिकोण को अपनाना था, जिसमें पुनःसंयोजन, पुनर्विकास, हरित क्षेत्र का विकास तथा पैन-सिटी के माध्यम से स्मार्ट समाधानों के द्वारा शहर के बड़े हिस्सों को शामिल करके एक अनुकरणीय मॉडल तैयार किया जा सके। एससीएम के अंतर्गत शहरों का विकास राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त स्मार्ट सिटी प्रस्तावों (एससीपी), जिसमें स्मार्ट मोबिलिटी, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, (डबल्यूएएसएच), स्मार्ट गवर्नेंस, स्मार्ट ऊर्जा, पर्यावरण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं, के आधार पर किया गया था, जिन्हें मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्चाधिकार संचालन समिति (एचपीएससी) द्वारा अनुमोदित किया गया।

******

अनुलग्नक

"शहरों में वनाच्छादित क्षेत्र" के संबंध में श्री बलवंत बसवंत वानखडे द्वारा दिनांक 09.02.2026 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *122 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

महानगरों में वन आवरण में परिवर्तन

(क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर में)

महानगर का नाम	**कुल वनावरण (आईएसएफ़आर 2021)**	**कुल वनावरण (आईएसएफ़आर 2023)**	**आईएसएफ़आर 2021 और आईएसएफ़आर 2023 के बीच वन आवरण में परिवर्तन**
अहमदाबाद	9.41	14.89	5.48
बेंगलुरु	89.02	89.61	0.59
चेन्नई	22.70	20.06	-2.64
दिल्ली	194.23	194.15	-0.08
हैदराबाद	81.81	80.20	-1.61
कोलकाता	1.77	2.06	0.29
मुंबई	110.78	110.84	0.06
कुल	**509.72**	**511.81**	**2.09**